सत्रांत परीक्षा दिसंबर 2025 और जून 2026 के लिए असाइनमेंट

BPYC-103

भारतीय दर्शन: शास्त्रीय और समकालीन

नोट:

1. सभी पाँच प्रश्नों के उत्तर दें।

2. सभी पाँच प्रश्नों के अंक समान हैं

3. प्रश्न संख्या 1 और 2 का उत्तर लगभग 400 शब्दों में होना चाहिए।

1. नास्तिक और आस्तिक दर्शन के बीच मुख्य अंतरों को रेखांकित करते हुए एक संक्षिप्त निबंध लिखें। 20

अथवा

जैन के स्याद्वाद और अनेकांतवाद के सिद्धांत पर एक निबंध लिखें। 20

2. प्रत्यक्ष क्या है? न्याय के प्रत्यक्ष के सिद्धांत की व्याख्या करें। 20

अथवा

अद्वैत वेदांत के अनुसार अविद्या और माया की अवधारणा की व्याख्या करें। 20

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग **200** शब्दों में दें। 2*10= 20

क) शैव दर्शन की व्याख्या करें। यह वैष्णव दर्शन से किस प्रकार भिन्न है? 10

ख) सांख्य दर्शन के उत्पत्ति के सिद्धांत की व्याख्या करें। 10

ग) भारत में भक्ति आंदोलन के दर्शन पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखें। 10

घ) अहिंसक राज्य की गांधीवादी अवधारणा क्या है? 10

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर लगभग **150** शब्दों में दें। 4*5= 20

क) स्वतंत्रता और कर्म पर स्वामी विवेकानंद के दृष्टिकोण की व्याख्या करें। 5

ख) श्री अरबिंदो की 'महामानव' (superman) की अवधारणा की व्याख्या करें। 5

ग) नेहरू की लोकतांत्रिक समाजवाद की अवधारणा पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखें। 5

घ) अंबेडकर के सामाजिक दर्शन पर चर्चा करें। 5

च) टैगोर के अनुसार ईश्वर की अवधारणा क्या है? 5

च) संक्षेप में बताएं कि अमर्त्य सेन का नीतिशास्त्र स्वतंत्रता, सहिष्णुता और लोकतंत्र को स्वीकार करता है। 5

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** पर लगभग **100** शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी लिखें। 5*4= 20

a) सच्चिदानंद 4

b) सूफीवाद 4

c) माधव के अनुसार दो प्रकार की सत्ता 4

d) बौद्ध दर्शन के अनुसार प्रत्यक्ष 4

e) एकात्म मानववाद 4

f) ख्यातिवाद 4

g) सुधार आंदोलन 4

h) शून्यता 4